Sixteenth Loksabha

an>

Title: The Speaker made reference to the 73rd anniversary of the dropping of atom bombs on Hiroshima and Nagasaki on 6th and 9th August, 1945.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आपको याद होगा कि 73 वर्ष पूर्व 6 अगस्त और 9 अगस्त, 1945 को क्रमश: हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए गए थे, जिसके कारण अकल्पनीय विध्वंस हुआ था। इस त्रासदी में हजारों निर्दोष लोग मारे गए थे तथा लाखों लोग घायल और जीवन भर के लिए अपंग हो गए थे। उसके बाद सालों-साल उन सबने बहुत कुछ भुगता है।

73 वर्षों के बाद, आज भी हिरोशिमा और नागासाकी के निवासी परमाणु विकिरण के भयावह दुष्प्रभावों को झेल रहे हैं। अहिंसा, शांति एवं विश्व-बंधुत्व के शाश्वत सिद्धान्तों के प्रति भारत की सतत् आस्था, विश्वास एवं प्रतिबद्धता रही है तथा हमने हमेशा विश्व में शांति और स्थिरता बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभाई है । भारत सदैव 'सर्वेभवन्तुसुखिनः' के लिए प्रयासरत रहा है।

आइए, आज के दिन हम नरसंहार के हथियारों को नष्ट करने तथा विश्वभर में शांति और भाईचारे के प्रचार-प्रसार हेतु एक साथ मिलकर काम करने के अपने संकल्प को सुदृढ़ करें और हम भी प्रार्थना करें :

"ओम् सर्वेषां स्वस्तिर्भवतु।
सर्वेषां शान्तिर्भवतु।
सर्वेषां पूर्णं भवतु।
सर्वेषां मंगलं भवतु।
ओम शांति: शांति: शांति: ॥"

अब यह सभा जापान में परमाणु बम गिराने से पीड़ित व्यक्तियों की स्मृति में थोड़ी देर मौन खड़ी रहेगी और मन में यह प्रार्थना भी दोहरा सकते हैं।

11 02 hrs

The Members then stood in silence for a short while.

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्रश्नकाल के बाद समय देंगे।

…(व्यवधान)

11 04 hrs

At this stage Shri Jai Prakash Narayan Yadav, Shrimati Ranjeet Ranjan and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

-

माननीय अध्यक्ष : प्रश्नकाल के बाद समय देंगे।आप लोग बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं, प्रश्नकाल के बाद आपको समय देंगे।

…(व्यवधान)